# प्रतिवेदन

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय में दिनांक 18 सितम्बर 2024 को "उच्च शिक्षा में समाज कार्य : कॅरियर की संभावनाएँ" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के प्रबंधन विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं वर्धा समाज कार्य संस्थान के प्रोफेसर बंशीधर पाण्डेय उपस्थित थे।कार्यक्रम में समाज कार्य विषय के दूर शिक्षा एवं नियमित माध्यम के वर्तमान एवं पूर्व विद्यार्थी ने सहभागिता की।कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। तत्पश्चात प्रोफेसर बंशीधर पाण्डेय का स्वागत निदेशालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी द्वारा किया गया। वक्ता का परिचय निदेशालय के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी द्वारा दिया गया। प्रोफेसर बंशीधर पाण्डेय विगत 25-30 वर्षों से अकादमिक क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आने से पूर्व वह महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में समाज कार्य विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। उस संस्थान में प्रोफेसर पाण्डेय निदेशक : अकादमिक, संकायाध्यक्ष : छात्र कल्याण संकाय, निदेशक: गांधी अध्ययनपीठ, परीक्षा नियंत्रक जैसे कर्तव्यों का निर्वहन सफलतापूर्वक कर चुके हैं। समाज कार्य विषय से जुड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अपना महत्तवपूर्ण योगदान दे रहे हैं। परिचय के उपरांत अपने व्याख्यान में प्रो. पाण्डेय ने समाज कार्य विषय की कॅरियर संबंधी संभावनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि एक विषय के रूप में समाज कार्य की शुरुआत 1898 में कोलंबिया विश्वविद्यालय में हुई। हालांकि विषय से इतर सेवा रूप में समाज कार्य के स्रोत प्राचीन मानवीय समाजों से निरंतर विद्यमान रहे हैं। वर्तमान में जिस व्यावसायिक समाज की चर्चा की जाती है उसका इतिहास 100-150 वर्ष पुराना ही है। भारत में इस तरह के प्रयास की शुरुआत 1936 से प्रारंभ हुई। उन्होंने कॅरियर एवं जॉब के बीच अंतर को रेखांकित किया कि इस विषय में जॉब (रोजगार) आसानी से मिल जाता है परंतु यदि कॅरियर के रूप में इसे अपनाना है तो व्यवस्थित योजना, अध्ययन एवं प्रयास की आवश्यकता है। समाज कार्य के विद्यार्थी के लिए फील्ड का अनुभव अनिवार्य है क्योंकि फील्ड का अनुभव उसे नीति-निर्माण एवं क्रियान्वयन में काफी सहायक होता है। समाज कार्य की विशेषता है कि यह विषय अनुशासन के साथ-साथ अभ्यास आधारित भी है अतएव समाज कार्य कॅरियर की दृष्टि से बहुत समृद्ध है।

प्रो. पाण्डेय ने परिवार एवं बाल कल्याण, चिकित्सीय समाज कार्य, वृद्धों के लिए समाज कार्य, मनोचिकित्सीय समाज कार्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य समाज कार्य, मानव संसाधन समाज कार्य, अनुसंधान कार्य, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, सरकारी संस्थाओं, शहरी एवं ग्रामीण विकास, दिव्यांगता, विद्यालीय समाज कार्य आदि क्षेत्रों का विस्तार से उल्लेख कर इंगित किया कि विद्यार्थी इन क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों का उल्लेख कर प्रो. पाण्डेय ने उन कुशलताओं (Skills) की चर्चा की जो उन्हें कॅरियर में सहायता कर सकते हैं। इनमें तदानुभूति, संवाद कुशलता, सांस्कृतिक दक्षता, समस्या निवारण, वकालत, समूह भावना, आलोचनात्मक चिंतन, सकारात्मकता, संगठनात्मक कौशल, धैर्य, नैतिक निर्णय, भावनात्मक दृढ़ता, अंतरपारस्परिक संबंध निर्माण, प्रोजेक्ट प्रपोजल एवं रिपोर्ट निर्माण, तकनीकी ज्ञान, सोशल मीडिया कुशलता, संसाधन जुटाने की कला इत्यादि महत्त्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत के माध्यम से इन कुशलताओं को सीखना चाहिए। व्याख्यान के बाद ऑनलाइन जुड़े विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएँ वक्ता के सम्मुख रखीं और वक्ता द्वारा उनका उत्तर प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. शंभू जोशी ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.के. सिंह,वक्ता प्रो. बंशीधर पाण्डेय, निदेशालय के निदेशक प्रो.आनन्द पाटिल, सभी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया जिनके सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हो सका। इस कार्यक्रम के कक्ष में डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. परिमल प्रियदर्शी, डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, डॉ. गुणवंत सोनोने, डॉ. तक्षा शंभरकर, सहित दूर शिक्षा निदेशालय के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी, अरविन्द कुमार, सचिन सोनी, गुरूदास उघडे, राधा ठाकरे, आयुषा वानखेडे, रोहिणी गायकवाड़, वैशाली, प्रणीता आदि सदस्य उपस्थित थे।

ज्ञान शांति मैत्री
नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा
धिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
धी हिल्स, वर्धा -442001
) भारत

ज्ञान शांति मैत्री
नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
ी हिल्स, वर्धा -442001 (महाराष्ट्र) भारत

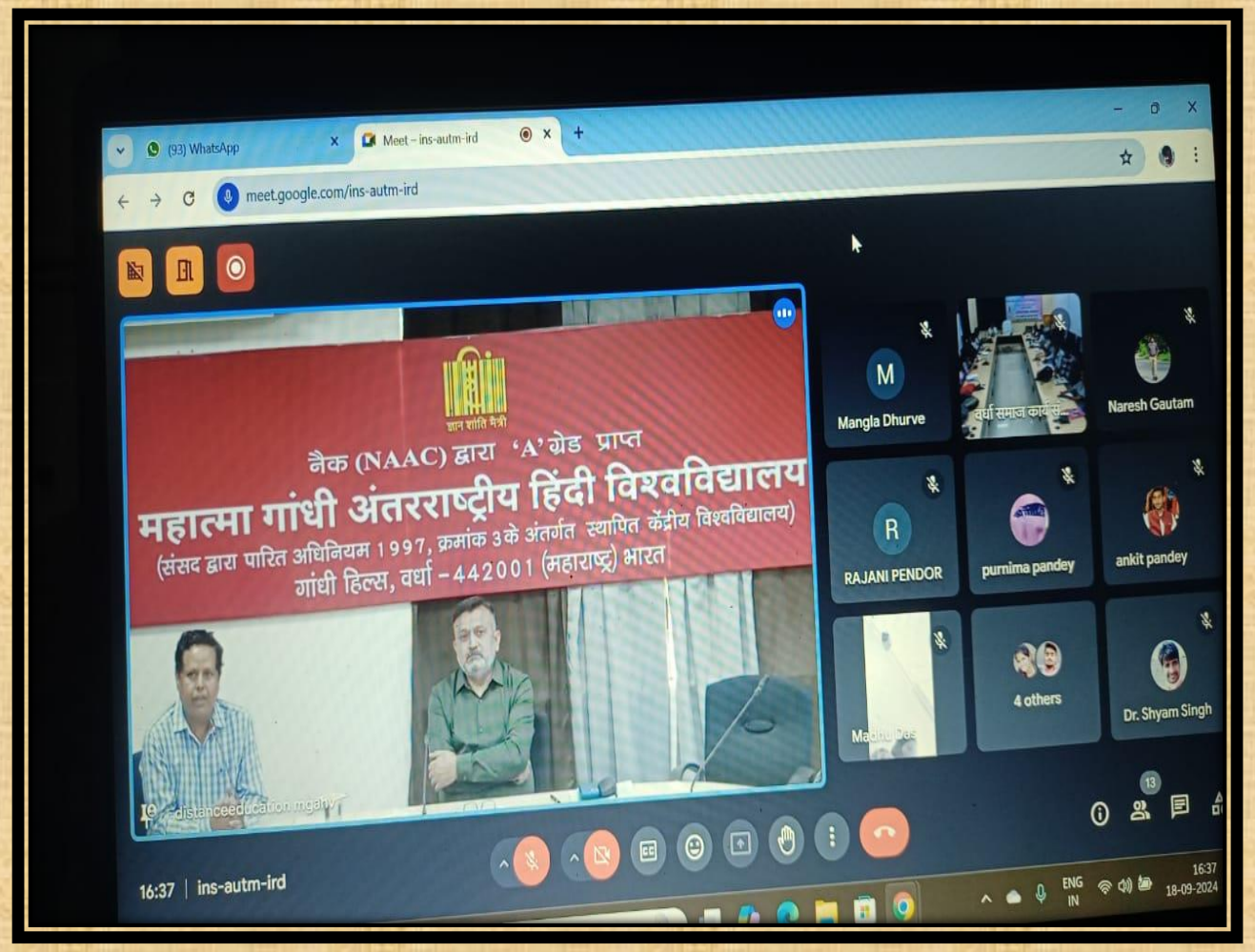

(93) WhatsApp
Meet – ins-autm-ird
meet.google.com/ins-autm-ird
ज्ञान शांति मैत्री
नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र) भारत
distanceeducation mgahv
Mangla Dhurve
वर्धा समाज कार्य सं...
Naresh Gautam
RAJANI PENDOR
purnima pandey
ankit pandey
4 others
Dr. Shyam Singh
16:37
ins-autm-ird
13
ENG
IN
16:37
18-09-2024

| व्याख्यान हेतु पंजीकृत विद्यार्थियों का विवरण (18.09.2024) | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| क्रमांक | विद्यार्थी का नाम | पाठ्यक्रम का नाम | नामांकन संख्या | माध्यम | विश्वविद्यालय का नाम |
| 1 | Ashish Singh | LL.B. | AU230105165299 | दूर शिक्षा | Agra University |
| 2 | Akshay Kumar Yadav | MSW | 2023/05/113/019 | नियमित | MGAHV Wardha |
| 3 | Ankit Kumar Pandey | Ph.D. Social Work | 2020/05/313/003 | नियमित | MGAHV Wardha |
| 4 | हर्ष गुप्ता | स्नातक इतिहास | 2022/05/865/011 | नियमित | MGAHV Wardha |
| 5 | Piyush ghongade | Msw | 2022/05/113/015 | नियमित | Mgahv wardha |
| 6 | Sneha kumari | Phd in social work | 2020/05/313/008 | नियमित | MGAHV Wardha |
| 7 | Stuti | M.A.(Hindi literature) | 1121242323 | नियमित | Visva Bharati |
| 8 | Rambaran | Msw | OL/HO/Ge01002210002 | दूर शिक्षा | Mgahv |
| 9 | Lokesh patel | Phd geography | Xx6058 | नियमित | Pt.Ravishankar Shukla University Raipur |
| 10 | यमुना धर त्रिपाठी | हिंदी शिक्षक | 845 | दूर शिक्षा | द मान स्कूल |
| 11 | Dr.Nandkishor S. Bhagat | Faculty | No | नियमित | RTM Nagpur University, Nagpur |
| 12 | Kamlesh Dilip kamble | नियमित विद्यार्थी | 1 | नियमित | Athawale clg of social work Bhandara RTMNUN |
| 13 | राधेश्याम यादव | पी-एचडी समाज कार्य | BU/A/22/PHD/21534 | नियमित | बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी |
| 14 | Devendra panjabrao Sontakke | MSW | 5 | दूर शिक्षा | Athawale college of social work Bhandara |
| 15 | Dr. Naresh K. Gautam | Ph.D | 2004/03/313/004 | दूर शिक्षा | पूर्व छात्र MGAHV |
| 16 | चन्दन सरोज | पीएचडी | 2020/05/313/004 | नियमित | MGAHV Wardha |
| 17 | अनुराग सिंह | पीएचडी समाजशास्त्र | 2020/05/914/001 | नियमित | MGAHV Wardha |
| 18 | PRAVIN VISHWAJIT BAGESHWAR | MSW | OL/HO/Ge0100221A0010 | दूर शिक्षा | MGAHV Wardha |
| 19 | NITIN SAHEBRAO PATIL | M.S.W | OL/HO/Ge0100223A0006 | दूर शिक्षा | MGAHV Wardha |
| 20 | Bhupendrakumar Dilip Khobragade | MSW | OL/H0/Ge0100223A0003 | दूर शिक्षा | MGAHV Wardha |
| 21 | Rajani Anant Pendor | Master of social work | OL/HO/Ge01002220005 | दूर शिक्षा | vvvv |
| 22 | MADHAVI BAPURAO DHURVE | PhD (Social work) | 2020/05/313/008 | नियमित | MGAHV Wardha |
| 23 | Mangla M.Dhurve | MSW | OL/HO/Ge01002220003 | दूर शिक्षा | MGAHV Wardha |
| 24 | मिनाक्षी शंकरराव कनाके | MSW | OL/HO/Ge01002220002 | दूर शिक्षा | MGAHV Wardha |
| 25 | Sunil Laxman Deshmukh | MSW | OL/HO/Ge0100221A0007 | दूर शिक्षा | MHAHV WARDHA |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

## दूर शिक्षा निदेशालय

## उच्च शिक्षा में समाज कार्य : कॅरियर की संभावनाएँ

दिनांक : 18 सितम्बर, 2024

## उपस्थिति पत्रक

| क्र. सं. | नाम | हस्ताक्षर |
|---|---|---|
| 1) | प्रो. बंशीधर पाण्डेय | T.S.D. |
| 2) | डॉ. शंभू जोशी | 18/09/2024 |
| 3) | डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी | 18/09/24 |
| 4) | डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी | 18/9/24 |
| 5) | डॉ. शिवाजी जोगदंड | |
| 6) | डॉ. आदित्य चतुर्वेदी | 18/09/24 |
| 7) | डॉ. तक्षा शंभरकर | 18.09.24. |
| 8) | डॉ. गुणवंत सोनोने | ——— |
| 9) | श्री अरविन्द कुमार | 18/09/2024 |
| 10) | श्री सचिन सोनी | 18/09/2024 |
| 11) | श्री गुरूदास उघडे | |
| 12) | श्रीमति राधा ठाकरे | 18/09/24 |
| 13) | सुश्री आयुषा वानखेडे | 18/09/24 |
| 14) | सुश्री रोहीणी गायकवाड | Rgaikwad |

अन्य समस्त पंजीकृत विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े थे।

## हिंदी विवि में 'उच्च शिक्षा में समाज कार्य : रोज़गार की संभावनाएँ' विषय पर हुआ ऑनलाइन व्याख्यान

वर्धा, 04 अक्टूबर 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय में 18 सितम्बर को "उच्च शिक्षा में समाज कार्य : रोज़गार की संभावनाएँ" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के प्रबंधन विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं वर्धा समाज कार्य संस्थान के प्रोफेसर बंशीधर पाण्डेय उपस्थित थे। कार्यक्रम में दूर शिक्षा एवं नियमित माध्यम के पूर्व विद्यार्थी ने सहभागिता की। कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ।

प्रोफेसर बंशीधर पाण्डेय का स्वागत निदेशालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने तथा परिचय निदेशालय के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी ने दिया। अपने व्याख्यान में प्रो. पाण्डेय ने समाज कार्य विषय की कॅरियर संबंधी संभावनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि एक विषय के रूप में समाज कार्य की शुरुआत 1898 में कोलंबिया विश्वविद्यालय में हुई। हालांकि विषय से इतर सेवा रूप में समाज कार्य के स्रोत प्राचीन मानवीय समाजों से निरंतर विद्यमान रहे हैं। वर्तमान में जिस व्यावसायिक समाज की चर्चा की जाती है उसका इतिहास 100-150 वर्ष पुराना ही है। भारत में इस तरह के प्रयास की शुरुआत 1936 से प्रारंभ हुई। उन्होंने कॅरियर एवं जॉब के बीच अंतर को रेखांकित किया कि इस विषय में जॉब (रोजगार) आसानी से मिल जाता है परंतु यदि कॅरियर के रूप में इसे अपनाना है तो व्यवस्थित योजना, अध्ययन एवं प्रयास की आवश्यकता है। समाज कार्य के विद्यार्थी के लिए फील्ड का अनुभव अनिवार्य है क्योंकि फील्ड का अनुभव उसे नीति-निर्माण एवं क्रियान्वयन में काफी सहायक होता है। समाज कार्य की विशेषता है कि यह विषय अनुशासन के साथ-साथ अभ्यास आधारित भी है अतएव समाज कार्य कॅरियर की दृष्टि से बहुत समृद्ध है।

प्रो. पाण्डेय ने परिवार एवं बाल कल्याण, चिकित्सीय समाज कार्य, वृद्धों के लिए समाज कार्य, मनोचिकित्सीय समाज कार्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य समाज कार्य, मानव संसाधन समाज कार्य, अनुसंधान कार्य, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, सरकारी संस्थाओं, शहरी

एवं ग्रामीण विकास, दिव्यांगता आदि क्षेत्रों का विस्तार से उल्लेख कर इंगित किया कि विद्यार्थी इन क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों का उल्लेख कर प्रो. पाण्डेय ने उन कुशलताओं की चर्चा की जो उन्हें कॅरियर में सहायता कर सकते हैं। इनमें तदानुभूति, संवाद कुशलता, सांस्कृतिक दक्षता, समस्या निवारण, वकालत, समूह भावना, आलोचनात्मक चिंतन, सकारात्मकता, संगठनात्मक कौशल, धैर्य, नैतिक निर्णय, भावनात्मक दृढ़ता,अंतरपारस्परिक संबंध निर्माण, प्रोजेक्ट प्रपोजल एवं रिपोर्ट निर्माण,तकनीकी ज्ञान, सोशल मीडिया कुशलता, संसाधन जुटाने की कला इत्यादि महत्त्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत के माध्यम से इन कुशलताओं को सीखना चाहिए। व्याख्यान के बाद ऑनलाइन जुड़े विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएँ वक्ता के सम्मुख रखीं और वक्ता द्वारा उनका उत्तर प्रदान किया गया। संयोजक डॉ. शंभू जोशी ने आभार माना। इस अवसर पर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. परिमल प्रियदर्शी, डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, डॉ. गुणवंत सोनोने, डॉ. तक्षा शंभरकर सहित दूर शिक्षा निदेशालय के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी, अरविन्द कुमार, सचिन सोनी, गुरूदास उघडे, राधा ठाकरे, आयुषा वानखेडे, रोहिणी गायकवाड़, वैशाली, प्रणीता आदि उपस्थित थे।

---

**मराठी :**

**हिंदी विद्यापीठात 'उच्च शिक्षणातील सामाजिक कार्य: रोजगाराच्या शक्यता' विषयावर ऑनलाइन व्याख्यान**

वर्धा, 04 ऑक्टोबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या दूर शिक्षण निदेशालयात 18 सप्टेंबर रोजी "उच्च शिक्षणातील सामाजिक कार्य: रोजगाराच्या संधी शक्यता" या विषयावर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित करण्यात आले. या व्याख्यानात वक्ते म्हणून विविचे प्रबंधन विद्यापीठाचे अधिष्ठाता एवं वर्धा समाज कार्य संस्थेचे निदेशक प्रो. बंशीधर पांडे उपस्थित होते.

प्रो. बंशीधर पांडे यांचे स्वागत निदेशालयाचे सहायक प्रो. डॉ.अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी केले व परिचय असोशिएट प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी यांनी केला. प्रो. पांडे म्हणाले की सामाजिक कार्य हा विषय म्हणून 1898 मध्ये कोलंबिया विश्वविद्यालयात उद्भवला. तथापि विषय कोणताही असो, सेवेच्या स्वरूपात सामाजिक कार्याचे स्त्रोत प्राचीन मानवी समाजापासून अखंडपणे अस्तित्वात आहेत. आज ज्या व्यापारी समाजाची चर्चा होत आहे, त्याचा इतिहास केवळ 100-150 वर्षांचा आहे. भारतात असे प्रयत्न 1936 मध्ये सुरू झाले. या विषयातील नोकरी सहज उपलब्ध आहे, पण ती करिअर म्हणून स्वीकारायची असेल तर पद्धतशीर नियोजन, अभ्यास आणि प्रयत्नांची गरज आहे. सामाजिक कार्य विद्यार्थ्यासाठी फील्ड अनुभव आवश्यक आहे कारण फील्ड अनुभव धोरण तयार करण्यात आणि अंमलबजावणीसाठी खूप उपयुक्त आहे.

प्रो. पांडे यांनी कुटुंब आणि बालकल्याण, वैद्यकीय सामाजिक कार्य, वृद्धांसाठी सामाजिक कार्य, मनोरुग्ण सामाजिक कार्य, सार्वजनिक आरोग्य सामाजिक कार्य, मानव संसाधन सामाजिक कार्य, संशोधन कार्य, कॉर्पोरेट सामाजिक जबाबदारी, सरकारी संस्था, शहरी आणि ग्रामीण विकास या क्षेत्रात विद्यार्थी आपले करिअर घडवू शकतात याकडे लक्ष वेधले. सहानुभूती, संवाद कौशल्य, सांस्कृतिक प्रवीणता, समस्या सोडवणे, वकिली, समूह भावना, गंभीर विचार, सकारात्मकता, संस्थात्मक कौशल्ये, संयम, नैतिक निर्णय, भावनिक शक्ती, परस्पर संबंध निर्माण, प्रकल्प प्रस्ताव आणि अहवाल तयार करणे, तांत्रिक ज्ञान, सोशल मीडिया ही कौशल्ये विद्यार्थ्यांनी कठोर परिश्रमातून आत्मसात केली पाहिजेत असे ही ते म्हणाले. संयोजक डॉ. शंभू जोशी यांनी आभार मानले. यावेळी डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. परिमल प्रियदर्शी, डॉ. आदित्य चतुर्वेदी, डॉ. गुणवंत सोनोने, डॉ.तक्षा शंभरकर यांच्यासह दूर शिक्षण निदेशालयाचे सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी, डॉ. अरविंद कुमार, सचिन सोनी, गुरुदास उघडे, राधा ठाकरे, आयुषा वानखेडे, रोहिणी गायकवाड, वैशाली, प्रणिता आदी उपस्थित होते.

---

नमस्कार !

मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद।